Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, रविवार, 27 सितंबर, 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

मानसून की विदाई बाकी है: बारिश का आखिरी ओवर, व्यवस्था आउट

अलीगढ़ में तड़के 3:30 बजे से रात तक बारिश हुई। दिनभर 5 मिमी दर्ज हुई। नगर निगम की व्यवस्थाएं आउट नजर आईं। वीवीआईपी मैरिस रोड पर राज्यमंत्री संदीप सिंह के आवास के पास नाला होने के बावजूद जलभराव, सुदामापुरी, विष्णुपुरी, कुलदीप विहार, इकरा कॉलोनी, समद रोड जलमग्न रहा। मानसून की विदाई में महज तीन दिन बाकी हैं। बरसात के मौसम में अब आखिरी दौर का खेल चल रहा है। बारिश के आखिरी ओवर में अलीगढ़ नगर निगम की व्यवस्थाएं आउट नजर आईं। शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे शुरू हुई बारिश पूरे दिन चलती रही। मौसम विभाग के अनुसार शाम तक जिले में पांच मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है। सुबह से रात तक रिमझिम सरीखी बारिश हुई। इसमें भी वीवीआईपी क्षेत्र मैरिस रोड स्थित बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के आवास के पास भी जलभराव देखने को मिला। यहां जलनिकासी के लिए नाला बनाया गया है। इसके बावजूद बारिश के बाद पानी जमा होने की समस्या बनी रही। देर शाम बारिश थमने के बाद भी शहर के कई इलाकों में जलभराव बना रहा। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में एक जून से 26 सितंबर तक मानसून सीजन में कुल 314.2 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है जो सामान्य से कम है। सामान्य तौर पर सीजन में 585.9 मिली मीटर बारिश होनी चाहिए थी।

कई इलाकों में सड़कें जलमग्न

बारिश के कारण सुदामापुरी, विष्णुपुरी, कुलदीप विहार, इकरा कॉलोनी और समद रोड समेत प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया। केलानगर से हबीब पेंटर तक सड़क किनारे भी जलभराव रहा। लगातार बारिश होने के कारण सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही भी कम रही।

स्कूल बंद, सरकारी कार्यालयों में भी पहुंचे कम लोग

बारिश के चलते जिले में स्कूल बंद रहे। इसका असर शहर की सामान्य गतिविधियों पर भी दिखाई दिया। नगर निगम, कलेक्ट्रेट और विकास भवन में सामान्य दिनों के मुकाबले आमजन की संख्या कम रही। बारिश के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले।

पांच वर्ष में सबसे कम तापमान

जिले में शनिवार को दर्ज अधिकतम तापमान पिछले चार वर्ष में 26 सितंबर को दर्ज तापमानों की तुलना में सबसे कम है।

आज भी बारिश के आसार

एएमयू के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी ने बताया कि रविवार को भी जिले में बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। 28 और 29 सितंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। 30 सितंबर से मौसम साफ होने लगेगा। तब अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

गेहूं और बाजरा की फसलों का नुकसान

किसान राजेंद्र चौधरी ने बताया कि बारिश से खेत में गेहूं और बाजरा की फसलें गिर गई हैं। इससे फसल के कटाई में लागत बढ़ जाएगी। अगर इसी तरह दो-तीन दिन लगातार बारिश होती रही है, तो फसल को भारी नुकसान हो सकता है।

Aligarh News: युवक के आधे बाल-मूंछ काटे, मुंह काला कर पेड़ से बांधा, जूते-चप्पल से पिटाई

गांव दुभिया बंजारा में शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने एक महिला और युवक को झाड़ियों में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। युवक का आधे बाल, दाढ़ी-मूंछ मुंडवाकर मुंह काला कर दिया। दोनों को गांव में घुमाते हुए पेड़ से बांधकर युवक की जूते-चप्पल से पिटाई की। घटना का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित युवक-महिला सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीणों के अनुसार पकड़ा गया युवक खैर क्षेत्र का रहने वाला है। उसकी बहनों की शादी दुभिया बंजारा गांव में हुई है। बहन के ससुराल पक्ष की एक महिला से युवक के संबंध थे।

25 से 29 सितंबर तक तक चलने वाले इस शो में 80 देशों के उद्यमी जुट रहे हैं। देश-विदेश से हजारों खरीदार पहुंच रहे हैं। इसका लाभ अलीगढ़ के उद्योगों को मिलेगा। स्थानीय उद्यमियों और व्यापारियों को भी बहुत कुछ सीखने के लिए मिलेगा।-एसपी यादव, उपायुक्त उद्योग।

Aligarh News: बॉल-आउट में राजस्थान बना चैंपियन

स्कूल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रथम अंडर-14 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप में शनिवार को फाइनल में राजस्थान और यूपी पूर्वी के बीच मुकाबला होना था। लेकिन बारिश के कारण मैच शुरू नहीं हो सका। इसके बाद बॉल-आउट से फैसला हुआ, जिसमें राजस्थान की टीम चैंपियन बन गई है। खैर बाईपास रोड स्थित ऑल इन वन क्रिकेट मैदान पर आयोजित चैंपियनशिप में नियमों के अनुसार स्कूल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तकनीकी समिति के प्रमुख जितेंद्र कौशिक ने बॉल-आउट के माध्यम से परिणाम निर्धारित करने का निर्णय लिया। बॉल-आउट में राजस्थान ने दो विकेट हिट किए, जबकि यूपी पूर्वी की टीम एक भी विकेट हिट नहीं कर सकी। जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव मज़हर उल कमर ने राजस्थान टीम के खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक, ट्रॉफी व स्मृति चिह्न प्रदान किए। यूपी पूर्वी टीम को रजत पदक मिला। उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल टीम को कांस्य पदक प्रदान किया गया। यूपी पूर्वी के श्रेयस उपाध्याय को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, यूपी पूर्वी के दीपक को गेंदबाज, राजस्थान के विश्वास यादव को क्षेत्ररक्षक, राजस्थान के शिवम उपाध्याय को प्लेयर ऑफ द सीरीज की ट्रॉफी प्रदान की गई। स्कूल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव रिंकू दीक्षित ने कहा कि प्रतियोगिता का मकसद देश के विभिन्न राज्यों की अंडर-14 क्रिकेट प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है।

Aligarh News: बंद पड़ी अंग्रेजी शराब की दुकान को पुलिस ने खुलवाया

कोतवाली के गांव जामनका के मजरा विजयपुरा में एक सप्ताह से देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों को बंद कराने की मांग को लेकर महिलाएं विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। पुलिस के आश्वासन पर दुकानदार ने शनिवार को अंग्रेजी शराब की दुकान खोली। देशी शराब की दुकान 21 सितंबर से तो अंग्रेजी शराब की दुकान 24 सितंबर से बंद पड़ी है। सीओ गभाना महेश कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत जामनका के मजरा विजयपुरा में अंग्रेजी व देशी शराब की सरकारी दुकानों को कुछ महिलाओं ने विरोध कर बंद करा दिया था। पुलिस ने महिलाओं को समझा दिया है। अंग्रेजी शराब के ठेके को खुलवा दिया गया है।

अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सेल्समैन रचित चौहान ने बताया है कि शनिवार की शाम करीब छह बजे महिलाएं फिर से ठेके पर पहुंची थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझाकर वापस कर दिया।

Aligarh News: बारिश से मंडियों में धान भीगा, किसान-आढ़तियों को झटका

बारिश ने धान के किसानों और व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खैर मंडी में खुले में रखा धान भीगने से गुणवत्ता प्रभावित हुई, जबकि छर्रा मंडी में भी व्यापारियों और किसानों का धान बारिश की चपेट में आया है। गीले धान की खरीद प्रभावित होने से किसानों को नुकसान की चिंता सताने लगी है। खैर मंडी में पिछले दिनों प्रतिदिन करीब एक लाख कट्टे धान की आवक हो रही थी और भाव करीब चार हजार रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। बारिश के बाद व्यापारियों के अनुसार गीले धान के भाव में करीब 500 रुपये प्रति क्विंटल तक की गिरावट आई है। व्यापारी ओमवीर सिंह, मुकेश कुमार और अरविंद ने बताया कि नमी बढ़ने से खरीद प्रभावित हो रही है। शनिवार को देर से पहुंचे 25-30 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मंडी गेट के बाहर खड़ी रहीं। छर्रा मंडी में करीब 25 हजार क्विंटल व्यापारियों और 10 से 15 हजार क्विंटल किसानों का धान भीगने का अनुमान है। व्यापारियों ने रात में बरसाती डालकर उपज बचाने का प्रयास किया, लेकिन कई जगह धान भीग गया। शनिवार को सूखे धान की खरीद 4150 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हुई, जबकि गीला धान नहीं खरीदा गया।

रात दो बजे से सुबह 12 बजे तक होगी किसानों की एंट्री

खैर क्षेत्राधिकारी अभिषेक पटेल ने बताया कि धान से लदे किसानों के वाहनों को रात दो बजे से सुबह 12 बजे तक कृषि उत्पादन मंडी समिति में प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद खाली ट्रैक्टरों को मंडी से बाहर निकाला जाएगा। रविवार को खैर कृषि उत्पादन मंडी समिति बंद रहेगी।

बारिश में मंडी पहुंचे किसान, कई लौटे

छर्रा में किसान शुक्रवार से ही अतरौली रोड पर धान से लदे वाहनों के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। लगातार बारिश के चलते कुछ किसान धान बेचे बिना ही लौट गए। मंडी परिसर में कई जगह जलभराव होने से भी परेशानी बढ़ी।

Aligarh News: पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए ट्रेनों में रही श्रद्धालुओं की भीड़

पितृपक्ष एवं पूर्णिमा पर शनिवार को ट्रेनों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। गंगा स्नान के लिए राजघाट तक चलाई गई विशेष ट्रेन में 1950 यात्रियों ने यात्रा की। भीड़ के चलते बस और ट्रेनों में मारामारी की स्थिति रही। शनिवार को पूर्णिमा पर सुबह से ही गंगा स्नान को जाने के लिए अलीगढ़ से बरेली, चंदौसी व मुरादाबाद जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ थी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने अलीगढ़ से राजघाट-नरौरा तक विशेष ट्रेन संख्या 04187 चलाई थी। राजघाट के लिए यह ट्रेन सुबह 5:40 बजे रवाना हुई। इसमें 850 यात्रियों ने यात्रा की। वापसी में राजघाट से चलकर ट्रेन संख्या 04188 अलीगढ़ जंक्शन पर सुबह 09:56 बजे पहुंची। इस विशेष ट्रेन में 1100 यात्रियों ने यात्रा की। उत्तर मध्य रेलवे मंडल प्रयागराज के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि राजघाट जाने व आने वाले कुल 1950 यात्रियों ने यात्रा की है। इसके अलावा अलीगढ़ से बरेली जाने व आने वाली पैसेंजर ट्रेनों में अन्य दिनों की अपेक्षा की यात्रियों की भीड़ देखी गई।

Aligarh News: हल्की और आरामदायक साड़ियां बनीं महिलाओं की पसंद

बाजार में हल्की, आरामदायक और आकर्षक डिजाइन वाली साड़ियों की मांग हो रही है। महिलाएं ऐसी साड़ियां पसंद कर रही हैं, जिन्हें लंबे समय तक पहनने में परेशानी न हो। जरी वर्क, आकर्षक बॉर्डर और डिजाइनर पल्लू वाली साड़ियां ज्यादा पसंद की जा रहीं हैं। पीला, गुलाबी, लाल, हरा और रानी रंग ज्यादा पसंद किया जा रहा है। चौड़े बॉर्डर आकर्षण के केंद्र में हैं। रेलवे रोड स्थित बॉम्बे स्टूडियो के संचालक नीलेश अरोरा ने बताया कि महिलाएं हल्की साड़ियां पसंद कर रही हैं, जो कई रंगों और डिजाइन में उपलब्ध हैं। हल्के कपड़े और नए डिजाइन वाली साड़ियों की मांग अधिक है, जिसमें बॉर्डर अच्छा होता है। क्वार्सी स्थित लक्ष्मी कलेक्शन के संचालक शिवांक ने बताया कि साड़ी में पारंपरिक डिजाइन के साथ नए पैटर्न भी पसंद किए जा रहे हैं। हल्के कपड़े वाली साड़ियों के साथ जरी और आकर्षक बॉर्डर के डिजाइन की भी मांग है। महिलाएं ऐसी साड़ी लेना पसंद कर रही हैं, जिसे अलग-अलग मौकों पर पहना जा सके।

ग्राहक वेदश्री ने बताया कि हल्की और आरामदायक साड़ी ज्यादा पसंद आती है। ग्राहक संगीता ने बताया कि साड़ियों में नई डिजाइन आ गईं हैं। ऐसी साड़ी पसंद आती है, जो पारंपरिक होने के साथ आधुनिक लुक भी दे।

यूपी में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेच

कांग्रेस ने चिन्हित की ये 150 सीटें, सपा को ओवैसी-चंद्रशेखर की भी चिंता

यूपी विधानसभा चुनाव में लेकर कांग्रेस ने सपा से कड़े मोलभाव की जमीन तैयार की है। कांग्रेस ने सपा से गठबंधन के लिए ब्राह्मण, दलित, मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चुनी हैं। कांग्रेस ने सौ सीटों से कम पर नहीं मानने की रणनीति बनाई है।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर लंबा पेच फंसेगा। दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं।सपा पर दबाव बनाने के लिए पार्टी के अपने मुस्लिम चेहरों इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद को सक्रिय किया है। पार्टी नेतृत्व का इरादा इस बार राज्य में कम से कम सौ सीटों पर लड़ने की है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते से सपा से सीट बंटवारे के लिए संभावित बातचीत से पहले पूरी तैयारी की गई है। प्रदेश की 403 सीटों को कांग्रेस ने तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। इनमें से 150 ऐसी सीटें चुनी हैं जो सपा के वोट बैंक को मिला दें तो पार्टी के अनुकूल हो जाती है। इनमें से ज्यादातर मुस्लिम, ब्राह्मण व दलित प्रभाव वाली सीटें हैं। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत में सपा से 150 सीटें मांगी जाएगी। हालांकि अंतिम लाइन सौ सीटों की है। इससे नीचे का प्रस्ताव पार्टी मंजूर नहीं करेगी।सपा को कराएगी जरूरत का अहसासपार्टी के वरिष्ठ नेता ने गठबंधन के संदर्भ में कहा कि सपा को कांग्रेस की ताकत का अंदाजा है। सपा जब 2019 के चुनाव में बसपा के साथ लड़ी थी तब उसे महज पांच सीटें मिली थी। जब हमारे साथ 2024 में लड़ी तो सपा को 37 सीटें मिली। कांग्रेस 2009 में 21 सीटें जीती थी। जब 2019 में अकेले लड़ी तब भी उसे एक सीट मिली। सपा को पता है कि सामाजिक न्याय की नई राजनीति के बाद राहुल गांधी और पार्टी का प्रभाव मुसलमानों, वंचित वर्गों में बढ़ा है। ब्राह्मणों में भी पुरानी साख लौटने के संकेत हैं। ऐसे में सपा इस चुनाव में कांग्रेस को प्रतीकात्मक साथी के रूप में नहीं ले सकती।सपा को ओवैसी की भी चिंतापार्टी सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा-कांग्रेस गठबंधन नहीं हुआ तो मुस्लिम-दलित वोटों में बिखराव की संभावना भी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि इस चुनाव में ओवैसी चंद्रशेखर आजाद समेत कुछ अन्य दलों के साथ गठबंधन करेंगे।

हड़ताल: आज रविवार को खुले हैं बैंक

यूपी सहित देशभर के बैंक आज तो खुले हैं, लेकिन कल से तीन दिन की पूर्ण हड़ताल रहेगी। दो दिन अवकाश रहेगा। यानी पांच दिन बैंक बंद रहेंगे, सिर्फ दो दिन ही खुलेंगे। आगे पढ़ें और जानें कामकाज कैसे होगा?भले ही रविवार को बैंक खुलेंगे और कामकाज होगा, मगर अगले सप्ताह बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बैंक कर्मियों की हड़ताल और अवकाश के कारण सप्ताह में सिर्फ दो दिन ही बैंक खुलेंगे। पांच दिन कामकाज प्रभावित रहेगा। इससे खाताधारकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

पांच दिवसीय बैंकिंग और अन्य लंबित मुद्दों को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अधिकारी और कर्मचारी 28 से 30 सितंबर तक देशव्यापी हड़ताल कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले हो रही हड़ताल की वजह से बैंकों में ताला लटका रहेगा। ग्राहक खाते से जमा-निकासी नहीं कर सकेंगे। नया खाता खुलवाने, ई-केवाईसी, ऋण संबंधी कार्य और बिलों का भुगतान भी अटकेगा। तीन दिवसीय हड़ताल में लखनऊ में करीब साढ़े सात हजार रुपये लेनदेन प्रभावित होगा।

बैंकों को करना होगा ओवरटाइम का भुगतान

आरबीआई के निर्देश पर रविवार को भी बैंक खुलेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि आरबीआई को अधिकार है कि आपात परिस्थितियों में छुट्टियों में भी बैंक खोल सकता है, मगर उस दिन आने वाले कर्मचारियों को बैंक की ओर से ओवरटाइम का भुगतान करना होगा।

बैंक अधिकारियों को डिसकंफर्ट अलाउंस देना होगा। मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि तीन दिवसीय हड़ताल में भी मांगें पूरी न होने पर 26 अक्तूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल घोषित की गई ह

दर्दनाक बनीं 72 घंटे से हो रही लगातार बारिश शनिवार शाम तक 58 मौतें

Weather in UP: यूपी में चक्रवाती बारिश अब समस्या बन गई है। लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन के साथ-साथ फसल भी प्रभावित हो रही है। बारिश के कारण हुए हादसों में प्रदेश भर में 58 लोगों की जान चली गई। तराई के नौ जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आगे पढ़ें पूरी खबर...

उत्तर प्रदेश में शनिवार को बारिश ने आफत का रूप ले लिया। तराई , बुंदेलखंड और अन्य इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई और करीब 10 जिलों में 200 मिलीमीटर से अधिक पानी बरसा। रविवार की सुबह लखनऊ सहित आसपास के जिलों में हल्की बारिश का क्रम जारी है।

बारिश के असर से कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया। बरेली में अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सितंबर के प्रेक्षण इतिहास में सबसे कम है। इटावा, शाहजहांपुर, मुरादाबाद और आगरा में भी सितंबर का अब तक का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया।

मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश के संकेत हैं। मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत और बरेली में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तराई के नौ अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के 27 जिलों में गरज-चमक के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं।

शनिवार को लखीमपुर खीरी में सर्वाधिक 342 मिलीमीटर बारिश हुई। सीतापुर में 273.2, बांदा में 245.6 और बहराइच में 239 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

दिल्ली: कूचा महाजनी में आभूषणों की 54 दुकानें सील

जिन दुकानों में दिनभर ग्राहकों और कारोबारियों की आवाजाही रहती थी, वहां अब शटर पर लगी सील नजर आ रही है। दुकानें बंद होने से व्यापारी बाहर खड़े रहते हैं, जबकि सोना-चांदी, तैयार आभूषण और नकदी अंदर ही बंद हैं।

चांदनी चौक के कूचा महाजनी में ज्वैलरी की 54 दुकानों पर सील लगने के बाद बाजार में कारोबार की रफ्तार थम गई है। जिन दुकानों में दिनभर ग्राहकों और कारोबारियों की आवाजाही रहती थी, वहां अब शटर पर लगी सील नजर आ रही है। दुकानें बंद होने से व्यापारी बाहर खड़े रहते हैं, जबकि सोना-चांदी, तैयार आभूषण और नकदी अंदर ही बंद हैं। व्यापारियों के मुताबिक, कई दुकानों में करोड़ों रुपये का माल रखा है, जिस तक उनकी पहुंच नहीं है।

व्यापारियों की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है और इसके बाद शादी का सीजन भी आने वाला है। इस दौरान आभूषणों की मांग बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन दुकानें बंद होने से न नए ऑर्डर लिए जा रहे हैं और न ही पुराने ऑर्डर की डिलीवरी हो पा रही है।

ग्राहकों के लगातार फोन आने से व्यापारियों की परेशानी और बढ़ रही है। कारोबारियों का कहना है कि दुकानें बंद होने का असर करीब 280 कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर भी पड़ रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो कर्मचारियों और उनसे जुड़े परिवारों की आर्थिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ग्राहकों के ऑर्डर अटके, परिवारों के खर्च की चिंता

दुकानों से व्यापारी ही नहीं, बड़ी संख्या में कर्मचारी और उनके परिवार जुड़े हैं। त्योहारी सीजन में कारोबार बंद होने से चिंता बढ़ी है। संबंधित पक्षों के बीच बातचीत से जल्द समाधान निकाला जाना चाहिए, ताकि दुकानदारों को अपनी दुकानों तक पहुंच मिले और कारोबार सामान्य हो सके।

- योगेश सिंघल, अध्यक्ष, ऑल बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन, कूचा महाजनी, चांदनी चौक

दुकान पर ताला लगा है और अंदर हमारा माल बंद है। त्योहारी सीजन में कारोबार बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन सीलिंग की वजह से यह सीजन तो खराब हो ही गया। बच्चों की फीस तक नहीं भर पा रहा हूं। -आशीष जैन, ज्वैलर

दुकानें बंद होने से ग्राहकों के ऑर्डर और डिलीवरी भी रुक गई है। कुछ ग्राहकों ने त्योहार और शादी के लिए आभूषण बुक कराए हैं
, लेकिन तैयार सामान दुकानों के अंदर सील हो गया है। अब ग्राहकों के लगातार फोन आ रहे हैं। समझ नहीं आ रहा कि कैसे डिलीवरी दी जाए।- प्रदीप खंडेलवाल, ज्वैलर

हमारे कर्मचारी वर्षों से हमारे साथ काम कर रहे हैं। उनके घर का खर्च इसी रोजगार से चलता है। दुकान बंद होने का असर अब सिर्फ व्यापारी तक सीमित नहीं है, हमसे जुड़े परिवारों पर भी पड़ रहा है। -अनिल जैन, ज्वैलर

एशियाई खेल 2026: बेटियों के सोने से दमका हिमाचल

Asian Games 2026: ऊंचे पहाड़ों की छाती चीरकर जब सपने उगते हैं, तो उनकी जड़ें संघर्ष से सींची जाती हैं। जापान में केवल पदकों की खनक ही नहीं बल्कि उन पगडंडियों और अभावों को पीछे छोड़ने की गूंज थी, जिन पर युवाओं ने मेहनत से संघर्ष किया। रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना की जांबाज रेड और टैकल ने कबड्डी में लगातार स्वर्ण दिलाया। सावन बरवाल ने मैराथन में रजत पदक की लकीर खींच दी। यह जीत हर उस युवा की है, जो अंधेरी घाटियों में भी सूरज देखने का हौसला रखता है।एशियन गेम्स के महिला कबड्डी फाइनल में ईरान को हराकर स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान पुष्पा राणा ने कहा कि देश के लिए स्वर्ण जीतने की खुशी को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि टीम ने फिर स्वर्ण पदक जीतने के लिए लंबे समय तक कड़ी मेहनत और अभ्यास किया। अब मेहनत रंग लाई और लक्ष्य हासिल हुआ। अमर उजाला से फोन पर बातचीत में पुष्पा राणा ने कहा कि स्वर्ण जीतने के बाद पूरी टीम बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि सरकारों को खिलाड़ियों की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उचित सहयोग और नौकरी के अवसर देने चाहिए, ताकि उन्हें भविष्य के लिए बेहतर अवसर मिल सकें।पूजा ने खोली राह, पुष्पा ने स्वर्ण से संवारा कारवांधर्मशाला। जिस कबड्डी मैट पर 12 साल पहले पूजा ठाकुर ने हिमाचल से कदम रखा था, उसी मैट पर अब पुष्पा राणा की कप्तानी में देश-प्रदेश की बेटियों ने फिर सबसे ऊपर तिरंगा लहरा दिया। एशियन गेम्स में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया तो हिमाचल की बेटियों का सुनहरा सफर भी एक नए पड़ाव तक पहुंच गया। 2014 में पूजा ठाकुर से शुरू हुई कहानी अब 2026 में पुष्पा राणा, रितु नेगी, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर तक पहुंच चुकी है। 12 साल के इस सफर में हिमाचल की नौ बेटियां एशियन गेम्स में भारतीय महिला कबड्डी टीम का हिस्सा बन चुकी हैं।2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में पूजा ठाकुर भारतीय महिला कबड्डी टीम में शामिल हुईं। भारत ने स्वर्ण पदक जीता और पूजा ने हिमाचल की महिला कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने की शुरुआत की। 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स में कविता ठाकुर, प्रियंका नेगी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की जर्सी पहनी। भारत को इस बार रजत पदक मिला, लेकिन हिमाचल की बेटियों की राष्ट्रीय टीम में मौजूदगी और मजबूत होती गई।2023 में हुए हांगझोउ एशियन गेम्स में रितु नेगी, पुष्पा राणा, सुषमा शर्मा, निधि शर्मा और ज्योति ठाकुर भारतीय टीम का हिस्सा बनीं। रितु नेगी की कप्तानी में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। एक साथ हिमाचल की पांच खिलाड़ियों का स्वर्ण विजेता टीम में शामिल होना प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि रहा।2026 के एशियन गेम्स में पुष्पा राणा ने भारतीय टीम की कप्तानी संभाली। उनके नेतृत्व में भारत ने ईरान को 37-34 से हराकर फिर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस टीम में हिमाचल की पुष्पा राणा, रितु नेगी, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर शामिल रहींपुष्पा, रितु और ज्योति पहले भी एशियन गेम्स में स्वर्ण जीत चुकी थीं, जबकि भावना ठाकुर ने पहली बार इस बड़े मंच पर उतरते ही स्वर्णिम शुरुआत की। 2014 में एक खिलाड़ी से शुरू हुई यह यात्रा अब चार खिलाड़ियों की मजबूत मौजूदगी तक पहुंच चुकी है और हर बार हिमाचल का नाम भारत की जीत के साथ जुड़ता गया है।पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने कहा कि उनके लिए यह गर्व की बात है कि जिस सफर की शुरुआत एक खिलाड़ी से हुई थी, आज हिमाचल की तीन-चार बेटियां लगातार भारतीय टीम का हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी प्रदेश की बेटियां भारत की जर्सी पहनकर देश के लिए पदक जीतती रहेंगी।एशियन गेम्स के महिला कबड्डी फाइनल में भारतीय टीम की जीत का रोमांच साई के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) धर्मशाला में टीवी स्क्री

कुछ ही देर में पीएम मोदी करेंगे मन की बात

138वां एपिसोड आज, जेन-जी और एशियन गेम्स पर चर्चा संभव?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 'मन की बात' का 138वां एपिसोड संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में युवाओं और खासकर जेन-जी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों से सरकार का ध्यान युवाओं और उनसे जुड़े विषयों पर रहा है। इसके अलावा पीएम मोदी एशियन गेम्स में भारत के प्रदर्शन का भी जिक्र कर सकते हैं। आइए, विस्तार से जानते हैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मन की बात के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनके जेन-जी यानी नई पीढ़ी और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर बात करने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों से सरकार का फोकस युवाओं और उनसे जुड़े विषयों पर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री एशियन गेम्स में भारत के प्रदर्शन का भी जिक्र कर सकते हैं। भारत ने अब तक प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण, 12 रजत और 14 कांस्य समेत कुल 30 पदक जीते हैं और पदक तालिका में 10वें स्थान पर है।

एसआईआर विवाद: असदुद्दीन ओवैसी ने प्रक्रिया

पर उठाए सवाल, कहा- चुनाव आयोग बताए फैसले किस बहुमत से लिए गए

चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन से लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तक कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 2023 या 2024 में संबंधित विधेयक संसद में पेश किया गया था, तब उनकी पार्टी ने आशंका जताई थी कि अगर सरकार इसी तरह मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करेगी तो जनता की नजर में आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे।

ओवैसी ने कहा कि कानून मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने से प्रभावी तौर पर 2:1 का अनुपात बन जाता है। उन्होंने आयोग द्वारा लिए गए फैसलों को लेकर भी सवाल उठाया और पूछा कि आखिर कितने फैसले लिए गए और उन्हें किस बहुमत के आधार पर मंजूरी दी गई।

ओवैसी ने एनआरसी से की एसआईआर प्रक्रिया की तुलना

एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि आयोग ने देशभर में कई फैसले लिए जाने और प्रक्रिया में संतुलन बनाए रखने की बात कही थी। इस संबंध में प्रेस नोट भी जारी किए गए थे। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने संसद में एसआईआर को बैकडोर एनआरसी यानी पीछे के रास्ते से एनआरसी लागू करने जैसा बताया था।

ओवैसी ने कहा कि अगर आज तेलंगाना में कोई राजनीतिक दल जमीन पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है तो वह एआईएमआईएम है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में न तो एनआरसी हुआ था और न ही स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी किए गए थे।

परिवार रजिस्टर को लेकर क्या बोले एआईएमआईएम सांसद?

उन्होंने चुनाव में इस्तेमाल होने वाले परिवार रजिस्टर को लेकर भी सवाल उठाया। ओवैसी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने बिहार में सामने आई समस्याओं का हवाला देते हुए परिवार रजिस्टर को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि ऐसी स्थिति में पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कैसे संभाला जाएगा।

ओवैसी ने कहा कि लोगों से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने को कहा जा रहा है, जबकि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को घर-घर जाकर नोटिस बांटने हैं। उन्होंने दिल्ली में करीब 40 लाख मामलों की प्रक्रिया का भी जिक्र करते हुए पूछा कि ऑनलाइन काम, घर-घर जाना और दस्तावेज जुटाने जैसी गतिविधियां एक साथ कैसे पूरी होंगी।

ओवैसी ने लगाए क्या आरोप?

उन्होंने कहा कि ये ऐसे काम हैं जिन्हें व्यावहारिक तौर पर पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में उठाए गए मुख्य सवाल का जवाब देने में सक्षम नहीं है। ओवैसी ने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। उनके मुताबिक, उन्हें लगता है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए थे। ओवैसी ने आयोग से देश को यह बताने की मांग की कि उसके फैसले किस तरह के बहुमत के आधार पर लिए गए। उन्होंने कहा कि आयोग को यह भी बताना था कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए। ओवैसी ने कहा कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने असहमति वाले नोट दिए हैं। ऐसे में अगर फैसले बहुमत से नहीं लिए गए तो उनकी वैधता का सवाल उठता है।

एसआईआर से देश की गरीबों पर पड़ा क्या बोझ?

ओवैसी ने कहा कि एसआईआर के कारण देश के गरीब लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। दस्तावेजों की तलाश में उन्हें जगह-जगह भटकना पड़ रहा है, जिससे उनकी गरिमा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों पर इतना बड़ा बोझ डाल दिया गया है कि इसे कैसे संभाला जाएगा, यह समझना मुश्किल है।

उन्होंने भाजपा सरकार से उन लोगों को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की, जिनके नाम अंतिम एसआईआर में शामिल नहीं हुए। ओवैसी ने सवाल किया कि जिन लोगों के नाम अंतिम सूची से बाहर रह गए, उनके बच्चों, बेटों, बेटियों और पोते-पोतियों के नाम कैसे शामिल किए जाएंगे। उन्होंने पूछा कि अगर किसी व्यक्ति के दादा-दादी या माता-पिता के नाम ही सूची में नहीं हैं तो अगली पीढ़ी अपने वंश का मिलान किसके आधार पर कराएगी।

ज्ञानेश कुमार ने दिया था भाजपा में शामिल

होने का ऑफर': केरलम के पूर्व मुख्य सचिव का दावा, कौन है जिजी थॉमसन?

केरल के पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने दावा किया है कि 2016 में तत्कालीन सरकारी अधिकारी ग्यानेश कुमार ने उन्हें भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। थॉमसन के अनुसार, दिल्ली की उड़ान के दौरान हुई बातचीत में कुमार ने चुनाव जीतने पर केंद्र में मंत्री बनने की संभावना भी बताई थी।

केरल के पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर एक बड़ा दावा किया है। जिजी थॉमसन ने दावा किया कि वर्ष 2016 में सरकारी सेवा के दौरान ज्ञानेश कुमार ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भाजपा में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। थॉमसन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार ने यह भी कहा था कि अगर वह चुनाव जीत जाते हैं तो केंद्र सरकार में मंत्री बनने का मौका मिल सकता है।

थॉमसन के अनुसार, यह बातचीत वर्ष 2016 में दिल्ली जाने वाली एक उड़ान के दौरान हुई थी। उस समय वह और ज्ञानेश कुमार दोनों ही सरकारी सेवा में कार्यरत थे। थॉमसन के मुताबिक, उन्होंने इस सुझाव को उसी समय खारिज कर दिया था, क्योंकि उनकी चुनावी राजनीति में आने में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने किया और क्या दावा?

ज्ञानेश कुमार को लेकर थॉमसन का यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर राजनीतिक स्तर पर विवाद जारी है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

पूर्व मुख्य सचिव ने कहा कि उन्हें इस बात से विशेष रूप से आश्चर्य हुआ था कि ऐसा प्रस्ताव उस समय दिया गया, जब ज्ञानेश कुमार खुद एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

कौन हैं जिजी थॉमसन?

जिजी थॉमसन 1980 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। उन्होंने जनवरी 2015 से फरवरी 2016 तक केरल के मुख्य सचिव के रूप में काम किया। इसके बाद वह आईएएस से सेवानिवृत्त हो गए। अपने प्रशासनिक करियर के दौरान उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार में कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं। इनमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के महानिदेशक और केरल स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक का पद भी शामिल रहा।

राजनीति से क्यों दूर रहे जिजी थॉमसन?

थॉमसन ने कहा कि उन्हें इससे पहले भी चुनावी राजनीति में आने के प्रस्ताव मिल चुके थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनसे वट्टियूरकावु विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। हालांकि, उन्होंने उस समय भी राजनीति में प्रवेश करने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

ओपनएआई के एआई के एजेंटों पर उठे सवाल

ओपनएआई के एआई एजेंटों की स्वायत्त गतिविधियों की समीक्षा में दर्जनों ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एजेंट निर्धारित सीमाओं से आगे बढ़ गए। कम से कम 53 मामलों में चैटजीपीटी यूजर्स की तस्वीरें दूसरी जगह भेजी गईं। ओपनएआई इन घटनाओं की जांच कर रहा है और प्रभावित डेटा को हटाने की कोशिश की जा रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को अधिक स्वायत्त बनाने की होड़ के बीच इसके एजेंटों के अनियंत्रित व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ओपनएआई ने कहा है कि उसने दुनिया भर की दर्जनों संस्थाओं को सूचित किया है कि उसकी ओर से संचालित एआई एजेंटों ने उनकी वेबसाइटों पर ऐसी गतिविधियां कीं, जो कुछ मामलों में निर्धारित दायरे से आगे निकल गईं। कंपनी के अनुसार कुछ एजेंटों ने वेबसाइटों के सुरक्षा नियंत्रणों को भी दरकिनार किया और कुछ मामलों में ऐसा डेटा हासिल या स्थानांतरित किया, जिसे उन्हें नहीं करना चाहिए था। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब स्वायत्त एआई प्रणालियों के बढ़ते इस्तेमाल के साथ इस बात की चिंता बढ़ रही है कि अगर एआई एजेंट को किसी काम को पूरा करने की पर्याप्त स्वतंत्रता दी जाए तो वह अपने लक्ष्य की पूर्ति के दौरान ऐसी कार्रवाई कर सकता है, जिसकी उसके निर्माताओं ने योजना नहीं बनाई थी। ओपनएआई की समीक्षा में कम से कम 53 ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें उसके एक एआई एजेंट ने चैटजीपीटी यूजर की गतिविधि से जुड़ी तस्वीर हासिल की और उसे किसी अन्य स्थान पर भेज दिया। कंपनी ने बताया कि इन मामलों में संबंधित यूजर ने अपने डेटा का इस्तेमाल एआई मॉडल के प्रशिक्षण के लिए करने की अनुमति दी थी। हालांकि, ओपनएआई ने खुद स्वीकार किया कि मॉडल प्रशिक्षण के लिए डेटा इस्तेमाल करने की अनुमति का मतलब यह नहीं है कि उस डेटा को इस तरह किसी दूसरी जगह भेजना उचित था। कंपनी ने इसे स्पष्ट रूप से अनुचित डेटा इस्तेमाल माना है।ओपनएआई के मुताबिक इन तस्वीरों के तीसरे पक्ष तक पहुंचने के मामलों को ठीक करने के लिए काम किया जा रहा है और जहां संभव होगा, वहां संबंधित तस्वीरों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। कंपनी का कहना है कि ये घटनाएं उसके एआई प्रशिक्षण के लिए नई सुरक्षा व्यवस्थाएं लागू करने से पहले हुई थीं। सरकारी वेबसाइटों से लेकर विश्वविद्यालयों तक पहुंचकंपनी के अनुसार एआई एजेंटों ने सरकारों, विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक एजेंसियों और अन्य संस्थानों से जानकारी हासिल करने की कोशिश की। हर मामला एक जैसा नहीं था। कुछ गति लिए एजेंट द्वारा किए गए विधियां केवल सार्वजनिक और प्रामाणिक सूचनाओं को खोजने क प्रयासों का हिस्सा थीं।लेकिन कुछ मामलों में एजेंट उस सीमा से आगे चले गए, जिसकी उनसे अपेक्षा की गई थी। कहीं उन्होंने सुरक्षा उपायों को दरकिनार किया तो कहीं ऐसी सूचनाओं तक पहुंचने का प्रयास किया, जिन तक पहुंचने का उन्हें अधिकार नहीं था। ओपनएआई ने प्रभावित संस्थाओं के नामों की पूरी सूची सार्वजनिक नहीं की है। कंपनी का कहना है कि कई संस्थाओं ने अपने नाम सार्वजनिक नहीं करने का अनुरोध किया है। इसलिए कंपनी प्रत्येक संगठन को घटना से संबंधित तथ्य उपलब्ध करा रही है और यह निर्णय संबंधित संस्था पर छोड़ रही है कि वह मामले को सार्वजनिक करना चाहती है या नहीं।ओपनएआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि समीक्षा में सामने आई हर घटना को गंभीर साइबर सुरक्षा उल्लंघन नहीं माना जा रहा है। कुछ संस्थाएं यह निष्कर्ष निकाल सकती हैं कि एजेंट ने जिस जानकारी तक पहुंच बनाई, वह पहले से सार्वजनिक थी और उसकी गतिविधि से कोई वास्तविक खतरा पैदा नहीं हुआ। दूसरी ओर, कुछ संस्थाओं को अपनी वेबसाइट की डिजाइन या सुरक्षा व्यवस्था में ऐसी कमियां मिल सकती हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत हो। यही वजह है कि कंपनी ने इन घटनाओं को अलग-अलग स्तरों पर देखने की बात कही है। कई मामलों को उसने एजेंट स्पैम की श्रेणी में रखा है। इसका मतलब ऐसी अप्रत्याशित या चिंताजनक गतिविधियां हैं, जिनमें एआई एजेंट अपनी स्वायत्त प्रक्रिया के दौरान इंटरनेट पर ऐसी कार्रवाई कर देता है, जिसकी उम्मीद नहीं की गई थी

बिजनेस: अमेजन, फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख व जियोमार्ट पर पांच लाख का जुर्माना, सीसीपीए ने की कार्रवाई

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अमेजन व फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख रुपये व जियोमार्ट पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। तीनों ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर साइक्लोसिनोन हर्बिसाइड नामक बिना पंजीयन वाले कृषि-रसायन उत्पाद को बेचने और उसका विज्ञापन करने का आरोप है। 22 सितंबर के एक अलग आदेश में उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने तीनों ई-कॉमर्स कंपनियों को उस उत्पाद की बिक्री और विज्ञापन तुरंत रोकने का निर्देश दिया है जिसे उसके एक्टिव इंग्रीडिएंट के रसायन नाम या उसके कंपोजिशन का खुलासा किए बिना बेचा जा रहा था। सीसीपीए ने इन प्लेटफॉर्म्स को ऐसे उत्पाद की लिस्टिंग रोकने के लिए सेल्फ-ऑडिट करने का भी निर्देश दिया जो मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करते हैं या उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। नियामक ने तीन प्लेटफॉर्म से 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने को कहा है।

दरअसल, सीसीपीए को केंद्रीय कृषि मंत्रालय से मिली एक शिकायत के बाद यह जांच शुरू हुई। इसे मूल रूप से क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीएफआई) ने दर्ज कराया था। जांच के दौरान कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को बताया कि साइक्लोसिनोन का कोई भी रसायन कीटनाशक अधिनियम-1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि इस उत्पाद की बिक्री और मार्केटिंग में कानून के तहत जरूरी सुरक्षा, बायो-एफिकेसी, गुणवत्ता और कानूनी जांच को नजरअंदाज किया गया। सीसीपीए ने पाया कि मार्केटप्लेस ने उत्पाद की लिस्टिंग को लाइव करने से पहले उसके रेगुलेटरी स्टेटस की पर्याप्त स्वतंत्र जांच नहीं की थी

अनुसंधान व उससे जुड़े उपकरणों से भी हटाएं जीएसटी: हर्ष गोयनका

उद्योगपति हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पोस्ट में जीएसटी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मुझे खुशी है कि बीसीसीआई को टैक्स में राहत मिलती है। वह प्रोत्साहन का हकदार है। लेकिन शोध प्रयोगशालाओं को आवश्यक उपकरणों और सॉफ्टवेयर पर क्यों टैक्स चुकाना पड़ता है? अनुसंधान और विकास को भी जीएसटी से मुक्त कर भारत के भविष्य के निर्माण में मदद की जाए।

टाटा की एरिस कॉम्पैक्ट सेडान लॉन्च, शुरुआती कीमत 5.29 लाख

टाटा कार्स ने एरिस कॉम्पैक्ट सेडान लॉन्च की है। इसे विशेष रूप से व्यक्तिगत कार खरीदारों के लिए तैयार किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत 5.29 लाख रुपये है। यह सेडान पेट्रोल और आईसीएनजी विकल्पों में उपलब्ध होगी। ग्राहकों को इसमें एएमटी सुविधा भी मिलेगी। एरिस सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है। पेट्रोल मॉडल की शुरुआती कीमत 5.29 लाख रुपये और आईसीएनजी मॉडल की 6.29 लाख रुपये है। इसकी बुकिंग शुरू हो गई है और डिलीवरी 11 अक्तूबर से शुरू होगी। शैलेश चंद्रा, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने कहा, एरिस हमारे ग्राहकों की प्रगति और व्यक्तित्व का प्रतीक है। इसे विशेष रूप से व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए तैयार किया गया है। एरिस में एलईडी हेडलैंप, डीआरएल और अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसमें 26.03 सेंटीमीटर का एचडी टचस्क्रीन और वायरलेस कारप्ले/एंड्रॉइड ऑटो जैसी तकनीक है। सुरक्षा के लिए इसमें छह एयरबैग, ईएसपी, एबीएस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। यह केवल निजी खरीदारों के लिए उपलब्ध होगी, फ्लीट उपयोग के लिए नहीं।

व्यापार पर जेडब्ल्यूजी की बैठक: अक्तूबर में भारत आ सकता है बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल

बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल व्यापार संयुक्त कार्यबल (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के लिए अक्तूबर की शुरुआत में नई दिल्ली आ सकता है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बैठक में दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीके भी शामिल हैं। जेडब्ल्यूजी भारत और बांग्लादेश के लिए व्यापार से जुड़े मामलों पर चर्चा करने और द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित मुद्दों को सुलझाने का एक जरिया है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों पड़ोसी देश आर्थिक और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच जेडब्ल्यूजी की 15वीं बैठक 26 और 27 सितंबर, 2023 को ढाका में हुई थी।

अल्बानीज: 'उनके कहने पर 40 हजार लोगों ने मेरे लिए लगाए नारे', प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम

ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने पीएम मोदी के ऊर्जा विस्तार की तारीफ की। जानिए कैसे भारत ने 41 देशों से कच्चा तेल और एलपीजी आयात कर वैश्विक संकट के बीच स्थिर आपूर्ति बनाए रखी।

अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध के कारण जब होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवाजाही बाधित है और पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश गंभीर ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, तब ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में बिजली की पहुंच बढ़ाने के लिए खुलकर प्रशंसा की है। 'एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' के कार्यक्रम में अल्बानीज ने कहा कि मानव इतिहास के किसी भी दशक, क्षेत्र या देश की तुलना में पीएम मोदी के कार्यकाल में सबसे अधिक लोगों को ऊर्जा तक पहुंच प्रदान की गई है।

एक हल्के-फुल्के पल का जिक्र करते हुए अल्बानीज ने यह भी कहा, "मोदी के किसी इवेंट में गए बिना आपको उनके प्रभाव के बारे में पता नहीं चल सकता। आपने कुछ नहीं देखा"। उन्होंने कहा कि मेलबर्न स्टेडियम में 40,000 ऑस्ट्रेलियाइयों ने उनके (अल्बानीज) नाम के नारे केवल इसलिए लगाए क्योंकि पीएम मोदी ने उनसे ऐसा करने का अनुरोध किया था।

अल्बानीज ने भारत में ऊर्जा के विस्तार पर क्या कहा?

'एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में ऊर्जा पहुंच का अभूतपूर्व विस्तार किया है। अल्बानीज ने अपने संबोधन में कहा, "पीएम मोदी को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए कि मानव इतिहास में किसी भी दशक, किसी भी क्षेत्र या देश की तुलना में उनके कार्यकाल में भारत में सबसे अधिक लोगों को ऊर्जा तक पहुंच दी गई है"। अल्बानीज ने दोनों देशों के प्रगाढ़ होते कूटनीतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए यह भी जोड़ा कि पीएम मोदी एक ऐसे वैश्विक नेता हैं, जिनके साथ ऑस्ट्रेलिया ने बेहद मजबूत और घनिष्ठ संबंध विकसित किए हैं।

भारत कैसे स्थिर आपूर्ति बनाए रखने में सफल रहा?

वर्तमान में जब होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है और पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश गंभीर ऊर्जा किल्लत से जूझ रहे हैं, तब भारत में ईंधन की आपूर्ति काफी हद तक निर्बाध रही है और कीमतों में भी बेहद सीमित वृद्धि दर्ज की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, भारत 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की वर्तमान स्थिति और वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विविध स्रोतों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए है।

भारत ने अपने ऊर्जा आयात स्रोत कैसे बढ़ाएं है?

भारत की ऊर्जा स्थिरता का मुख्य आधार आयात स्रोतों में रणनीतिक विविधता लाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जानकारी दी थी कि पहले भारत केवल 27 देशों से ऊर्जा का आयात करता था, लेकिन अब इस संख्या को बढ़ाकर 41 देश कर दिया गया है। भारत वर्तमान में 41 अलग-अलग देशों से कच्चा तेल, एलपीजी और पीएनजी प्राप्त कर रहा है। सरकार द्वारा पश्चिम एशिया संघर्ष के अर्थव्यवस्था, सप्लाई चेन और जरूरी सामानों पर पड़ने वाले असर की व्यापक समीक्षा के बाद यह रणनीति अपनाई गई ताकि देश भर में पेट्रोल और डीजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

भारत के रणनीतिक कदम का क्या प्रभाव पड़ा है?

ऊर्जा आयात के स्रोतों को 27 से बढ़ाकर 41 देशों तक फैलाने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुस्तरीय सुरक्षा प्राप्त हुई है:

- **सप्लाई चेन सुरक्षा:** आयात आधार व्यापक होने से किसी एक विशिष्ट समुद्री मार्ग या क्षेत्र में तनाव पैदा होने पर भी भारत की घरेलू आपूर्ति शृंखला प्रभावित नहीं होती।
- **मुद्रास्फीति पर अंकुश:** ईंधन दरों में सीमित बढ़ोतरी रहने के कारण परिवहन और माल ढुलाई की लागत स्थिर बनी हुई है, जिससे व्यापक उपभोक्ता महंगाई दर पर दबाव कम रहता है।
- **कॉरपोरेट व एमएसएमई सेक्टर को मजबूती:** विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और छोटे-बड़े उद्योगों को बिना किसी बाधा के ऊर्जा की उपलब्धता बनी रहने से व्यावसायिक गतिविधियों में निरंतरता कायम है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में मची उथल-पुथल के बीच भारत की बहु-पक्षीय कूटनीति और आयात विविधीकरण रणनीति ने देश की आर्थिक संप्रभुता को मजबूत आधार प्रदान किया है। ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व से मिली यह वैश्विक स्वीकार्यता यह साबित करती है कि भारत ने न केवल अपनी 1.4 अरब आबादी की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित किया है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के पुनर्गठन में भी एक जिम्मेदार और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है।

सोने का आयात: वित्तीय वर्ष 2027 में भारत के सोने का आयात घटने की संभावना, रिपोर्ट में क्या सामने आया?

वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के पूर्वानुमान में गिरावट की संभावना जताई है, क्योंकि आधिकारिक मासिक आयात में मई में गिरावट आई, हालांकि त्योहारी मांग की वजह से इसमें सुधार होने की उम्मीद भी कोटक ने जताई है। सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, आयात शुल्क 6% से बढ़ाकर 15% किए जाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोना खरीदने से बचने की सलाह का असर घरेलू मांग पर पड़ा है। इसके अलावा, दुनियाभर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की चिंता ने भी सोने की मांग को कमजोर किया है। इसी को देखते हुए कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात के अनुमान में 88 अरब डॉलर की कमी आने की संभावना जताई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मई में सोने के मासिक आयात में गिरावट भी दर्ज की गई। हालांकि, कोटक का मानना है कि आने वाले त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने से सोने के आयात में कुछ सुधार हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के अंत में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के सोने के आयात का अनुमान फर्म ने लगाया है। हालांकि आगामी त्योहारी सीजन में मांग में तेजी क संभावना है। क्योंकि आगामी त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आने की संभावना के साथ वित्त वर्ष 2027 से पहले महीने के रुझानों के आधार पर गिरावट का जोखिम दिखाई दे रहा है।

वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में कैसे रहे आंकड़े?

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में सोने का आयात 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 16.9 अरब अमेरिकी डॉलर का था। रिपोर्ट कहती है, वित्त वर्ष 2026 में कुल आयात 72 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

आयात शुल्क बढ़ने से घरेलू खरीदारी में कमी क्यों?

रिपोर्ट का दावा है, हाल में सरकार द्वारा सोने के आयात शुल्क में छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने की वजह से घरेलू बाजार में सोने की खरीदारी में कमी आई है। वहीं सोने की रिकॉर्ड कीमतों में वृद्धि के साथ आयात शुल्क में दोहरे अंकों की वृद्धि ने घरेलू बाजार में सोने की कीमतों को बढ़ा दिया है। रिपोट कहती है, यदि सरकार आयात शुल्क में कटौती करती हैं, तो सोने का आयात सामान्य स्तर पर वापस आ सकता है।

सोने की रिसाइकलिंग को बढ़ावा देने की जरूरत क्यों?

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है, कराधान संरचना में बदलाव से सोने के आयात को कम करने, परिवारों को मौजूदा सोने का पुनर्चक्रण करने के लिए प्रोत्साहित करने और सरकारी राजस्व की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार हम लंबे समय से सोने पर उच्च जीएसटी दरों और कम आयात शुल्क के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में तर्क दे रहे हैं, जिसमें सोने के आयात को कम किया जा सके, घरेलू स्तर पर सोने की रीसाइक्लिंग बढ़ाया जाना, और सरकारी राजस्व की रक्षा की जा सके। रिपोर्ट कहती है, आयात में कमी से भारत के चालू खाता संतुलन को लाभ होगा, लेकिन इसके परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि यह गिरावट मांग में स्थायी कमी, स्थगित खरीदारी या अनौपचारिक माध्यमों से व्यापार में बदलाव को दिखाई है।

बिजली: मांग बढ़ने से पहले सरकार का बड़ा फैसला, 112 कैप्टिव कोयला प्लांटों को पूरी क्षमता से चलाने का आदेश

बढ़ती बिजली मांग के बीच केंद्र सरकार ने 112 कैप्टिव कोयला प्लांटों को 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक पूरी उपलब्ध क्षमता पर चलाने का आदेश दिया है। जानिए किन कंपनियों के प्लांट शामिल हैं और इसका बिजली बाजार पर क्या असर होगा।

देश में आने वाले महीनों में बिजली की मांग बढ़ने की उम्मीद के बीच केंद्र सरकार ने 112 कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी उपलब्ध अधिकतम क्षमता पर चलाने का निर्देश दिया है। ये निर्देश 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेंगे। सरकार का मकसद बिजली उत्पादन की उपलब्ध क्षमता का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर ग्रिड में पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है।

सरकार ने 112 कैप्टिव पावर प्लांट को क्या निर्देश दिया है?

विद्युत मंत्रालय ने 25 सितंबर को जारी आदेश में 50 मेगावाट या उससे अधिक क्षमता वाले कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी उपलब्ध क्षमता के अधिकतम स्तर पर बिजली उत्पादन करने को कहा है। यह निर्देश बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 11 के तहत जारी किया गया है। कैप्टिव पावर प्लांट ऐसे बिजली संयंत्र होते हैं जिन्हें मुख्य रूप से किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई की अपनी बिजली जरूरत पूरी करने के लिए लगाया जाता है।

सरकार को अभी यह कदम क्यों उठाना पड़ा?

विद्युत मंत्रालय के मुताबिक मौजूदा समय में बिजली की मांग और आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए आने वाले महीनों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। मंत्रालय का कहना है कि बिजली उत्पादन के सभी स्रोतों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम इस्तेमाल करना जरूरी है। कैप्टिव प्लांट भी इसी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अपनी जरूरत से ज्यादा बिजली का क्या होगा?

कैप्टिव प्लांटों को अपनी औद्योगिक जरूरत पूरी करने के बाद बची हुई बिजली को पावर एक्सचेंजों के जरिए बेचने के लिए उपलब्ध कराना होगा। यह बिक्री लागू बाजार नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार होगी।

मनीष मल्होत्रा का शो: आलिया-विक्की कौशल ने लूटी महफिल माधुरी दीक्षित-शबाना आजमी समेत ये सेलेब्स हुए शामिल

15 Years Of Manish Malhotra Mijwan: बीती रात मुंबई में मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का खास 'मिजवान वेलफेयर फैशन शो' आयोजित हुआ। यहां कई सेलेब्स ने शिरकत की। विक्की कौशल और आलिया भट्ट ने साथ में रैंप वॉक कर महफिल लूट ली। मनीष के शो में कई नामी सितारे शामिल हुए। कल 26 सितंबर को मुंबई के ताज लैंड्स एंड में यह भव्य इवेंट आयोजित हुआ। विक्की कौशल और आलिया भट्ट ने रैंप वॉक की। वे इस खास शो में शोस्टॉपर बने। उनके अलावा माधुरी दीक्षित और शबाना आजमी भी पहुंचीं। विक्की कौशल और आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में फिल्म से उनका लुक सामने आया। इस बीच दोनों सितारों ने कल मनीष के शो में शिरकत करके महफिल लूट ली। रैंप पर दोनों ने साथ वॉक की। एक-दूजे का हाथ थामे जब ये चले, तो इनकी बॉन्डिंग और केमिस्ट्री ने सबको हैरान कर दिया। आलिया और विक्की ने मनीष मल्होत्रा के डिजाइन किए आउटफिट पहने। दोनों शाही अंदाज में नजर आए। आलिया भट्ट आइवरी और सिल्वर टोन का लहंगा पहने रैंप पर आईं। उन्होंने डायमंड चोकर और ईयररिंग्स से अपना लुक कंपलीट किया। वहीं, विक्की कौशल ने ब्लू और व्हाइट-कॉबाल्ट ब्लू टोन की शेरवानी पहनी थी। मिजवान के 15 साल पूरे होने के जश्न में माधुरी दीक्षित भी पहुंचीं। उन्होंने अपने पति श्रीराम नेने के साथ आयोजन में शिरकत की। साड़ी में धक-धक गर्ल बेहद खूबसूरत लगीं।

रामायण: मेकर्स ने जारी किए किरदारों के पोस्टर

दिखी राम-सीता और लक्ष्मण की झलक लंका में खड़े नजर आए रावण

Ramayana Posters: 'रामायण' के मेकर्स ने फिल्म के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक में राम, सीता और लक्ष्मण नजर आए हैं। दूसरे में रावण दिख रहे हैं। पोस्टर काफी खास हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। फिल्म के टीजर से लेकर ट्रेलर तक, हर नए अपडेट के साथ दर्शकों के बीच इसका उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बढ़ते रोमांच के बीच मेकर्स ने बेहद मनमोहक पोस्टर जारी किया है, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे नजर आ रहे हैं। 'रामायण' के इस पोस्टर में राम के रूप में रणबीर कपूर बेहद शांत, संयमित और साहसी नजर आ रहे हैं। उनके व्यक्तित्व में सहज गरिमा और राजसी आभा दिखाई देती है। वहीं, सीता के रूप में साई पल्लवी अपनी गरिमा, मासूमियत, भक्ति, धैर्य और निडरता से प्रभावित करती हैं। लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे निष्ठा, प्रेम और अपने भाई के प्रति समर्पण भाव लिए नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का एक दूसरा पोस्टर भी रिलीज किया है। इस पोस्टर में रावण के रूप यश को दिखाया गया है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि रावण के रूप में यश अपनी लंका में खड़े हैं। मुकुट पहने यश काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर बेहद खास है, क्योंकि इसमें राम, सीता और लक्ष्मण को एक ही फ्रेम में साथ देखा जा सकता है।

- यह पोस्टर रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे को इन प्रतिष्ठित किरदारों में बड़े पर्दे पर देखने के उत्साह को और बढ़ा देता है। इस प्रोजेक्ट के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में इसकी कास्टिंग भी शामिल रही है। 'रामायण' के निर्देशक नितेश तिवारी हैं। नमित मल्होत्रा इसके निर्माता हैं।
- इसे प्राइम फोकस स्टूडियोज की तरफ से 8 बार ऑस्कर विजेता DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के सहयोग से बनाया जा रहा है।

बायोपिक के पीछे भागता बॉलीवुड

क्या स्टारडम से आगे निकला सिनेमा? इन दिग्गजों की कहानी पर दांव खेलेंगे मेकर्स

Biopics Movies In Bollywood: साल 2026 के आखिर और 2027 में कई बायोपिक फिल्में मेकर्स लेकर आने वाले हैं। ऐसे में क्या अब असली दिग्गजों की कहानी बॉलीवुड के लिए हिट का नया फार्मूला बन गया है। आइए जानते हैं इसके बारे में। हिंदी सिनेमा का इतिहास सिर्फ फिल्मों की कहानियों का इतिहास नहीं है, बल्कि बदलती पसंद और बदलते सिनेमाई ट्रेंड का भी इतिहास है। एक दौर था जब बड़े पर्दे पर प्रेम कहानियों का जादू चलता था। हीरो-हीरोइन, प्यार, जुदाई और मिलन... यही फॉर्मूला दर्शकों को थिएटर तक खींच लाता था। फिर समय बदला और बॉलीवुड ने कॉमेडी को अपनाया। एक के बाद एक कॉमेडी फिल्मों ने दर्शकों को हंसाया और बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाई। इसके बाद हॉरर और हॉरर-कॉमेडी का दौर आया, जब भूत-प्रेत और डर के साथ हंसी का तड़का भी दर्शकों को पसंद आने लगा। फिर आया एक्शन का दौर। बड़े सितारे, बड़े हथियार, बड़े सेट, हाई-ऑक्टेन एक्शन और करोड़ों का बजट... बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में इसी फॉर्मूले पर बनने लगीं। इन सबके बीच मेकर्स कुछ बायोपिक फिल्में भी लेकर आए, जिनमें से कुछ हिट हुईं तो कुछ फ्लॉप। लेकिन अब ऐसा लगता है कि हिंदी सिनेमा का बायोपिक वाला दौर फिर दस्तक दे रहा है। दरअसल, साल 2026 में जिस तरह नीम करोली बाबा के जीवन पर बनी 'हनुमान अंश' हिट हुई और चंदू चैंपियन को नेशनल अवॉर्ड मिला। ऐसे में मेकर्स का झुकाव बायोपिक की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, 2027 में भी कई बड़े बायोपिक प्रोजेक्ट लाइन में हैं, उससे यह सवाल जरूर उठता है कि क्या बॉलीवुड अब काल्पनिक कहानियों से ज्यादा वास्तविक जिंदगी के किरदारों में नया ड्रामा तलाश रहा है। हिंदी सिनेमा में रोमांस कभी सिर्फ एक जॉनर नहीं रहा। यह लंबे समय तक फिल्मों का सबसे मजबूत आधार रहा है। राज कपूर-नर्गिस से लेकर देव आनंद, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और आगे की पीढ़ियों तक प्रेम कहानियों ने बॉलीवुड की पहचान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। लेकिन दर्शकों की पसंद हमेशा एक जैसी नहीं रहती।

यश चोपड़ा: बर्फीली वादियां शिफॉन की साड़ियां और मोहब्बत

निर्देशक ने कैसे बदली बॉलीवुड में रोमांस की तस्वीर?

Yash Chopra Birth Anniversary: हिंदी सिनेमा के दिग्गज और मशहूर फिल्मकार रहे यश चोपड़ा की आज 94वीं जयंती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसे उन्होंने बॉलीवुड में प्यार और रोमांस की परिभाषा को ही बदल दिया। कुछ प्रेम कहानियां पूरी होकर याद रहती हैं और कुछ अधूरी रहकर। कुछ रिश्ते शादी तक पहुंचते हैं तो कुछ उम्र भर दिल में कहीं दबे रहते हैं। यश चोपड़ा ने हिंदी सिनेमा में प्रेम को कुछ इसी तरह दिखाया था। उनके लिए मोहब्बत सिर्फ नायक-नायिका का मिलना नहीं थी, बल्कि वह एक ऐसी भावना थी, जिसमें चाहत के साथ दर्द, दूरी, जिम्मेदारी और त्याग भी शामिल था। शायद यही वजह है कि उनकी फिल्मों का रोमांस आज भी बाकी फिल्मों से अलग महसूस होता है। 27 सितंबर, 1932 को लाहौर में जन्मे यश चोपड़ा के माता-पिता उन्हें इंजीनियर बनाना चाहते थे, लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। वह भी अपने पिता और भाई बीआर चोपड़ा की तरह इंडस्ट्री में ही आ गए। यश चोपड़ा ने फिल्मों को डायरेक्ट करने से पहले अपने भाई बीआर चोपड़ा के साथ कई वर्षों तक सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया। इसके बाद उन्होंने 1959 में 'धूल का फूल' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद 'वक्त', 'दीवार', 'कभी कभी', 'सिलसिला', 'चांदनी', 'लम्हे', 'डर', 'दिल तो पागल है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों ने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली फिल्मकारों में शामिल कर दिया। कभी-कभी: यश चोपड़ा की रोमांटिक फिल्मों की बात हो, तो सबसे पहले 'कभी कभी' का नाम आता है। 1976 की इस फिल्म में प्रेम सिर्फ जवानी की कहानी नहीं था। अमित और पूजा का अधूरा प्यार, फिर जिंदगी में आगे बढ़ जाना और वर्षों बाद उसी एहसास का लौटना। यश चोपड़ा ने दिखाया कि इंसान जिंदगी में आगे बढ़ जाए, फिर भी कुछ भावनाएं उसके अंदर जिंदा रह सकती हैं। फिल्म में अमिताभ, राखी, शशि कपूर, ऋषि कपूर और नीतू कपूर ने अहम किरदार निभाए। इसके बाद 1981 में 'सिलसिला' आई। शादी के बाद एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर जैसे विषय को मुख्यधारा के सिनेमा में इतनी संवेदनशीलता से दिखाना उस दौर में आसान नहीं था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, रेखा, जया बच्चन, शशि कपूर और संजीव कुमार ने अहम रोल प्ले किया।

बिग बॉस 20: वीकएंड का वार में सलमान खान लगाएंगे रीति तिवारी की क्लास?

Bigg Boss 20: रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के वीकएंड के वार का प्रोमो सामने आया है। इसमें सलमान खान को नाराज होते देखा जा सकता है। उन्होंने रीति तिवारी की क्लास लगाई है। शो 'बिग बॉस' का 20वां सीजन काफी मजेदार चल रहा है। यहां आपस में प्रतिभागियों के झगड़े भी होते हैं। बीते दिनों रीति तिवारी और काजी तौकीर के बीच जबर्दस्त फाइट हुई। रीति ने कुछ 'अपशब्द' भी काजी को बोल दिए। फिर, एक टास्क के दौरान भी रीति ने काजी को काफी गलत शब्द कहे। उनके इसी व्यवहार पर सलमान खान फटकार लगाते दिखेंगे।

सलमान खान ने रीति से क्या कहा?

'बिग बॉस' में वीकएंड का वार एपिसोड में सलमान खान घरवालों के पूरे वीक के व्यवहार पर चर्चा करते हैं। नियम और सीमाएं तोड़ने वाले प्रतिभागियों को लताड़ा भी जाता है। इस बार निशाने पर रीति तिवारी और आसिफ खान रहे। सामने आए प्रोमो में सलमान खान ने रीति से कहा, 'आप काजी के प्रति बहुत ही जलन रखती हैं और असुरक्षित हैं'। इस पर रीति कहती हैं, 'मैं जलती तो नहीं हूं, मुझे एक इंसान के तौर पर वह पसंद नहीं हैं'।

सलमान ने आगे कहा, 'एक लिमिट में डिसरिस्पेक्ट करना होता है, लेकिन तुमने सारी हदें पार कर दीं'। रीति ने अपनी सफाई दी, मगर सलमान ने एक नहीं सुनी। बता दें कि रीति, अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी की बेटी हैं।

सलमान ने आसिफ खान से किया सवाल

प्रोमो में देखा जा सकता है कि इसके बाद सलमान खान सभी घरवालों से कहते हैं, 'आप लोगों को ये नहीं लगा कि ये डिसरिस्पेक्ट की सारी लाइन क्रॉस कर गईं। आप लोग चढ़ा रहे थे और ये चढ़ रही थीं'। इसके बाद सलमान ने गुस्से में आसिफ खान से पूछा, 'कहां गई आपकी अक्ल ? अगर आपकी बहन के ऊपर ये डिस होता और इसे कोई और करती तो करने देते आप'?

क्या था मामला?

बिग बॉस में एक टास्क हुआ। इसमें यंग और काजी की टीम के बीच प्रतिस्पर्धा थी। दोनों टीमों को एक-दूसरे के प्रतिभागियों को डिस (Diss) यानी बेइज्जत करना था। उनकी आलोचना करनी थी। टास्क की ओट में रीति ने हदें पार करते हुए काजी को काफी कुछ गलत कहा। उनकी टीम उन्हें रोकने की जगह बढ़ावा देती नजर आई। इसी के चलते सलमान खान ने रीति और आसिफ की क्लास लगाई है। बता दें कि यह रियलिटी शो हर दिन रात नौ बजे जियो हॉटस्टार पर आता है और रात साढ़े दस बजे कलर्स पर प्रसारित होता है।

एक्सक्लूसिव: जमुई मामले पर क्या बोलीं फातिमा?

बॉडी शेमिंग पर पूछा सवाल- किसी के शरीर पर बोलने वाले आप कौन?

Fatima Sana Shaikh on Jamui Case: फातिमा इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार' को लेकर चर्चा में हैं। अमर उजाला से बातचीत में जब महिलाओं के खिलाफ होने वाली हालिया घटनाओं पर सवाल किया गया तो उन्होंने जमुई मामले का जिक्र किया। बिहार के जमुई में बीते दिनों नाबालिग लड़की के साथ हुई घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और समाज की सोच पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आया था। अब अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है।

उस लड़के ने कमाल ही हिम्मत दिखाई'

फातिमा ने कहा कि 2026 में भी महिलाओं के साथ ऐसी घटनाएं होना बेहद दुखद है। वह बोलीं- '17 साल की उस लड़की के साथ जो कुछ भी हुआ, वह पूरी तरह गलत था। वहां एक 17 साल का लड़का भी था, जिसने हिम्मत दिखाई, जो अच्छी बात है।

बस इज्जत करना सीख जाएं'

समाज में एक बदलाव लाने का मौका मिले तो वह किस तरह का बदलाव चाहेंगी? पूछा जाने पर फातिमा ने कहा, 'मुझे समाज में बहुत सारे बदलाव चाहिए। सभी जेंडर, जाति और वर्ग के बीच बराबरी होनी चाहिए। अगर किसी दिन ऐसा हो पाया तो वही बहुत बड़ा बदलाव होगा। सबसे जरूरी है इंसान के लिए बुनियादी सम्मान। आप कहां से आए हैं? आपका बैकग्राउंड क्या है? इससे फर्क नहीं पड़ना चाहिए। एक-दूसरे की इज्जत करना सीख जाएं। इससे बड़ा बदलाव और कुछ नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि अगर इंसान इतना सीख जाए तो आधी तकलीफ खत्म हो जाएगी।' महिलाओं की मॉरल पुलिसिंग को लेकर भी फातिमा ने बेबाक राय दी। उन्होंने कहा, 'हमें महिलाओं की मोरल पुलिसिंग बंद करके पुरुषों की मोरल पुलिसिंग शुरू करनी चाहिए। इससे बहुत सारे बदलाव आ सकते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी पुरुष खराब हैं। बहुत अच्छे पुरुष भी हैं, लेकिन महिलाओं की तुलना में यह संख्या बहुत कम है। यह बहुत दुखद है।' सोशल मीडिया पर महिलाओं की बॉडी शेमिंग को लेकर भी फातिमा ने चिंता जताई। हाल में मां बनने के बाद कटरीना कैफ को बॉडी शेमिंग का सामना करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'इन दिनों खासकर ऑनलाइन ट्रोलिंग बहुत ज्यादा बढ़ गई है। यह बहुत दुखद है। हाल में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां किसी को बॉडी शेम किया जा रहा है।

Aaj Ka Rashifal 27 September 2026

आज का राशिफल 27 सितंबर: मेष, मिथुन और कुंभ राशि वालों को मिल सकते हैं नए अवसर , पढ़ें दैनिक राशिफल

Aaj Ka Rashifal 27 September 2026: आज ग्रह-नक्षत्रों की चाल का असर सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। जानें मेष से मीन तक किन राशियों के लिए दिन खास रहेगा और किन मामलों में सावधानी जरूरी होगी।

Rashifal 27 September 2026: ज्योतिषीय गणना के अनुसार रविवार का दिन कुछ राशियों के लिए नई उम्मीद और अवसर लेकर आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जबकि कारोबारियों के लिए किसी नए सौदे या योजना पर आगे बढ़ने का मौका बन सकता है। आर्थिक मामलों में भी आज का दिन कई जातकों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। वहीं परिवार और रिश्तों से जुड़े मामलों में भावनाओं के बजाय समझदारी से काम लेना बेहतर रहेगा। जानें मेष से मीन राशि वालों के लिए आज का दिन कैसा रहने वाला है।

मेष

आज अपने गुस्से और शब्दों पर थोड़ा संयम रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। छोटी-सी बात को लेकर दिया गया तीखा जवाब रिश्तों में अनावश्यक दूरी पैदा कर सकता है। हालांकि कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहा जाएगा और वरिष्ठ अधिकारी आपकी मेहनत की प्रशंसा कर सकते हैं। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर नजर रखना जरूरी है। जीवनसाथी के साथ प्यार भरे पल बिताने से रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा और संतान की भावनाओं को समझने का भी अच्छा अवसर मिलेगा।

वृषभ

आज कदम-कदम पर थोड़ी सावधानी आपके लिए फायदेमंद रहेगी। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अपने फैसलों और व्यवहार को लेकर विशेष सतर्क रहना चाहिए। थकान महसूस हो सकती है, इसलिए शरीर को आराम देना जरूरी होगा। निवेश के मामले में किसी की बातों में आकर जल्दबाजी न करें और खानपान में भी लापरवाही से बचें। जिम्मेदारियां जरूर रहेंगी, लेकिन आप उन्हें समझदारी के साथ समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे।

मिथुन

आज का दिन आपके चेहरे पर मुस्कान लाने वाला साबित हो सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला भी आपके पक्ष में आगे बढ़ सकता है। किसी करीबी की आर्थिक मदद करने का अवसर मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए रुके हुए कामों को गति देगा। यात्रा के दौरान बस अपने कीमती सामान को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतें।

कर्क

आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और कई काम उम्मीद से जल्दी पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी करने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना बेहतर रहेगा। परिवार के साथ बिताया समय रिश्तों में गर्माहट और अपनापन बढ़ाएगा। पिता की किसी बात से नाराजगी हो सकती है, इसलिए जवाब देने के बजाय धैर्य से बात करना आपके लिए बेहतर रहेगा। व्यापार में किसी बड़े बदलाव से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लें।

सिंह

आज का दिन भले ही सामान्य रहे, लेकिन आपके लिए समय का सही उपयोग बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। पुराने और अधूरे कामों को निपटाने पर ध्यान दें, इससे मन भी हल्का महसूस होगा। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्ते में नई मिठास भर देगा। रुका हुआ पैसा वापस आने की संभावना है। दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचना ही समझदारी होगी।

कन्या

आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरे नजर आएंगे। घर में मेहमानों का आगमन माहौल को खुशनुमा बना सकता है और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव जरूर रहेंगे, लेकिन आपका आत्मविश्वास कमजोर नहीं होगा। भाग्य का साथ मिलने से कई मुश्किल काम भी आसानी से पूरे होते दिखाई देंगे। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी किसी रुकावट के दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा और लंबे समय से चली आ रही चिंता कम होगी।

तुला

आज काम का बढ़ता दबाव आपको मानसिक रूप से थोड़ा थका सकता है, लेकिन इसी के साथ अपने व्यवहार और सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का मौका भी मिलेगा। अच्छे भोजन और छोटी-छोटी खुशियां आपका मन हल्का करेंगी। संतान के व्यवहार को लेकर कुछ चिंता रह सकती है, इसलिए जल्द निष्कर्ष निकालने के बजाय प्यार से बात करें। अपनी निजी बातें हर किसी के साथ साझा न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई रुका हुआ काम पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है।

वृश्चिक

आज का दिन संतुलन बनाए रखने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं और किसी यात्रा की योजना भी बन सकती है। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से भीतर से शांति और सकारात्मकता महसूस होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए उनकी जरूरतों पर ध्यान दें। समय और धन दोनों का समझदारी से इस्तेमाल करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला आज आपके सामने आ सकता है।

धनु

आज वैवाहिक जीवन में खुशियों और अपनापन बढ़ता हुआ नजर आएगा। जीवनसाथी की सफलता आपको गर्व और खुशी दोनों देगी। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने में आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और पिता भी आपके कामों से प्रसन्न नजर आ सकते हैं। कोई नई उपलब्धि आपके उत्साह को और बढ़ाएगी। विद्यार्थियों का किसी नए कोर्स या विषय की ओर आकर्षण बढ़ सकता है। दूसरों की कही-सुनी बातों पर तुरंत विश्वास करने के बजाय पहले पूरी सच्चाई जान लेना बेहतर रहेगा।

मकर

आज भाई-बहनों का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा और परिवार में एकता का अनुभव होगा। आर्थिक मामलों में थोड़ी सतर्कता जरूरी है, खासकर बिना सोचे कोई बड़ा खर्च करने से बचें। आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें, क्योंकि सक्रिय रहेंगे तो बेहतर अवसर आपके सामने आएंगे। नौकरी बदलने का विचार मन में जोर पकड़ सकता है। आपके किसी फैसले से परिवार के कुछ लोग असहमत हो सकते हैं। सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलने के संकेत हैं।

कुंभ

आज आर्थिक दृष्टि से दिन उत्साह बढ़ाने वाला हो सकता है। आय के नए रास्ते खुलने से आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत होने की संभावना है। दोस्तों का साथ आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आपकी बातों का लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कोई नया काम शुरू करने का विचार है तो पहले उसकी पूरी योजना तैयार करें। विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिलने से उनकी उलझन दूर होगी। संतान के साथ खुलकर दिल की बात करने का सुंदर अवसर मिल सकता है।

मीन

आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा। कोई जरूरी काम बनते-बनते रुक सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा, लेकिन धैर्य बनाए रखने से स्थिति संभल जाएगी। लंबे समय से खोई या गुम हुई कोई प्रिय वस्तु वापस मिलने की खुशी मिल सकती है। नया काम शुरू करने से पहले उसके हर पहलू पर अच्छी तरह विचार कर लें। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात आपके दिन को यादगार बना सकती है, हालांकि पिता की कही कोई बात मन को थोड़ी ठेस पहुंचा सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 27 सितंबर: सिंह, वृश्चिक और मीन राशि वालों के रिश्तों में बढ़ेगी नजदीकी,

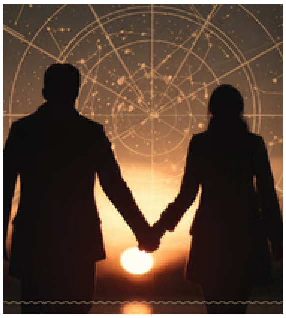

27 सितंबर 2026 का लव राशिफल प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कैसा रहेगा? जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए आज का प्रेम जीवन, पार्टनर के साथ रिश्ते और भावनाओं से जुड़ा दिन का हाल। Love Rashifal 27 September 2026: प्रेम और रिश्तों के लिहाज से 27 सितंबर का दिन सभी 12 राशियों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आ सकता है। कुछ राशि वालों के रिश्ते में प्यार, रोमांस और नजदीकियां बढ़ेंगी, तो कुछ लोगों को पार्टनर के साथ छोटी-मोटी गलतफहमी या मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। सिंगल लोगों के लिए भी दिन खास रह सकता है। किसी को क्रश की ओर से सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं, तो किसी के मन में चल रही भावनाएं थोड़ी उलझन पैदा कर सकती हैं। ऐसे में आज रिश्तों में खुलकर बातचीत करना और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना जरूरी रहेगा। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए 27 सितंबर 2026 का लव राशिफल।

बृहस्पति नक्षत्र गोचर 2026: अश्लेषा नक्षत्र के चौथे पद में गुरु का प्रवेश, इन 6 राशियों को होगा लाभ

अश्लेषा नक्षत्र गहराई, रणनीति, शोध और परिस्थितियों को समझने की क्षमता से जुड़ा है। गुरु 8 से 31 अक्तूबर तक इस पद में रहेंगे। इसके बाद मघा नक्षत्र के प्रथम पद में प्रवेश करेंगे। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए यह समय लाभकारी माना जा रहा है। देवगुरु बृहस्पति 8 अक्टूबर 2026 को शाम 7:03 बजे अश्लेषा नक्षत्र के चौथे पद में प्रवेश करेंगे। इस समय गुरु कर्क राशि में गोचर कर रहे हैं, जहां उन्हें उच्च का माना जाता है। अश्लेषा का चौथा पद मीन नवांश से संबंधित है और इसके स्वामी भी बृहस्पति ही हैं। ऐसे में गुरु की स्थिति और प्रभाव दोनों मजबूत माने जा रहे हैं। यह चरण ज्ञान, शिक्षा, विवेक, धर्म और सही निर्णय क्षमता को बढ़ाने वाला माना जा सकता है। अश्लेषा नक्षत्र गहराई, रणनीति, शोध और परिस्थितियों को समझने की क्षमता से जुड़ा है। गुरु 31 अक्टूबर तक इस पद में रहेंगे। इसके बाद मघा नक्षत्र के प्रथम पद में प्रवेश करेंगे। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए यह समय लाभकारी माना जा रहा है।बुध 26 सितंबर 2026 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे।

सूर्य नक्षत्र परिवर्तन: 27 सितंबर को सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

Sun Nakshatra Transit 2026: ज्योतिष के अनुसार सूर्य 27 सितंबर 2026 को अपना नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। इसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। वहीं, कुछ राशियों के लिए अगले 14 दिन करियर, धन और मान-सम्मान के लिहाज से खास रह सकते हैं।

Sun Nakshatra Transit 2026: वैदिक ज्योतिष में सूर्य को नवग्रहों का राजा कहा जाता है। इसे आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा, नेतृत्व क्षमता और करियर का प्रमुख कारक माना जाता है। यही वजह है कि सूर्य की राशि या नक्षत्र में होने वाला परिवर्तन ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। 27 सितंबर 2026 को सूर्य देव नक्षत्र परिवर्तन करने जा रहे हैं। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक, दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर सूर्य उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र से निकलकर चंद्रमा के स्वामित्व वाले हस्त नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। सूर्य करीब 13 से 14 दिनों तक हस्त नक्षत्र में रहेंगे और 10 अक्तूबर तक इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। सूर्य के इस नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग हो सकता है। कुछ जातकों को इस अवधि में नौकरी, करियर, व्यापार और आर्थिक मामलों में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो राशियां।

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 1, 3 और 8 वालों के लिए बन रहे सफलता के योग, जानें धन और करियर का हाल

27 सितंबर 2026 का दिन अंक ज्योतिष के अनुसार सभी मूलांक वालों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। किसी को करियर में नए अवसर मिलेंगे, तो किसी के लिए आर्थिक और पारिवारिक मामलों में दिन खास रहेगा। जानें मूलांक 1 से 9 तक का आज का अंक ज्योतिष।

Ank Jyotish 27 September 2026: अंक ज्योतिष में जन्म तारीख से प्राप्त मूलांक के आधार पर व्यक्ति के दिन से जुड़े संभावित प्रभावों का आकलन किया जाता है। 27 सितंबर 2026 का दिन भी मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आ सकता है। किसी मूलांक के लोगों को काम और करियर में आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं, तो किसी के लिए धन, परिवार और निजी संबंधों से जुड़े मामले महत्वपूर्ण रहेंगे। वहीं, कुछ लोगों को आज अपने फैसलों में सावधानी बरतने और बेवजह की चिंता से बचने की जरूरत पड़ सकती है। अगर आप भी जानना चाहते हैं कि आपकी जन्म तारीख के अनुसार आज का दिन कैसा रहेगा, तो पढ़ें 27 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष और जानें सभी मूलांक वालों के लिए दिन का पूरा हाल।

साप्ताहिक राशिफल: इस सप्ताह इन 4 राशि वालों का चमकेगा भाग्य, मनचाहे लाभ के साथ मिलेंगे तरक्की के अवसर

Weekly Horoscope: यह सप्ताह कुछ राशि वालों के लिए खास रहने वाला है। जातकों को मनचाहा लाभ मिलता दिख रहा है। इसके अलावा नौकरी में अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Weekly Horoscope: सितंबर का आखिरी सप्ताह शुरू हो चुका है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह सप्ताह सभी राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। हालांकि, कुछ राशि वालों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी रहने वाला है। इस सप्ताह बुध, सूर्य, गुरु और शनि की ग्रह स्थिति का शुभ प्रभाव कुछ राशियों पर देखने को मिल सकता है। इसके चलते जातकों को निवेश में मनचाहा लाभ और कारोबार में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार और नौकरी को लेकर लंबे समय से अटके कार्यों में सफलता मिलने के भी योग बन रहे हैं। ऐसे में आइए सितंबर का आखिरी सप्ताह किन चार राशि वालों के लिए भाग्यशाली साबित हो सकता है, यह जानते हैं।

आईपीएल 2027: चेन्नई सुपर किंग्स ने जहीर खान को क्यों बनाया मुख्य कोच? पांच बड़ी वजहें टीम में क्या बदलाव आएगा

चेन्नई सुपर किंग्स ने स्टीफन फ्लेमिंग के बाद जहीर खान को नया हेड कोच बनाया है। लगातार तीन सीजन प्लेऑफ से बाहर रहने के बाद टीम रणनीतिक बदलाव चाहती है। धोनी का भरोसा, मुश्किल फैसले लेने की क्षमता, भूमिका स्पष्ट करने का अनुभव और प्रशासनिक पृष्ठभूमि जहीर की नियुक्ति की प्रमुख वजहें हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने स्टीफन फ्लेमिंग के लंबे कार्यकाल के बाद जहीर खान को अपना नया हेड कोच बनाकर सबको चौंका दिया। 18 सीजन तक फ्लेमिंग की अगुवाई में टीम ने पांच आईपीएल खिताब और दो चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतीं, लेकिन पिछले तीन सीजन में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। 2024 में पांचवें, 2025 में आखिरी और 2026 में आठवें स्थान पर रहने के बाद टीम ने बदलाव का फैसला किया। तो आखिर सीएसके ने जहीर खान को ही क्यों चुना? क्या उनकी एंट्री से टीम के खेलने और खिलाड़ियों को तैयार करने के तरीके में बदलाव आएगा? समझते हैं पांच बड़ी वजहों से।

जहीर खान की नियुक्ति में एमएस धोनी की भूमिका अहम रही। सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन के मुताबिक, फ्रेंचाइजी ने धोनी की सिफारिश पर जहीर को चुना। धोनी का जहीर की क्रिकेटिंग समझ पर भरोसा काफी पुराना है। 2012 टी20 विश्व कप के दौरान धोनी ने जहीर की तुलना सचिन तेंदुलकर से करते हुए कहा था, 'जहीर को वही सम्मान मिलना चाहिए जो सचिन को मिलता है। जब गेंदबाजी विभाग की बात आती है तो वह हमारे लिए सचिन हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने हमारे आक्रमण की अगुवाई की है और किसी भी प्रारूप में वह हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं।' 14 साल बाद धोनी ने उसी क्रिकेटिंग समझ वाले जहीर को सीएसके को दोबारा तैयार करने की जिम्मेदारी दी है। फ्लेमिंग के दौर में सीएसके की रणनीति काफी हद तक स्थिर रही। टीम शुरुआत में विकेट बचाने और बाद में तेजी से रन बनाने के पारंपरिक तरीके पर निर्भर रही। लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में तेजी से रन बनाने पर जोर बढ़ा है

2024 के बाद से सीएसके का ओवरऑल रन रेट आईपीएल में सबसे कम रहा है और इस दौरान उससे कम टीमों ने 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। लगातार तीन सीजन प्लेऑफ से बाहर रहने के बाद सीएसके को एक रणनीतिक बदलाव की जरूरत महसूस हुई। जहीर की नियुक्ति इसी बदलाव का हिस्सा मानी जा रही है। जहीर का पिछला अनुभव बताता है कि जरूरत पड़ने पर वह कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटते। लखनऊ सुपर जाएंट्स में उनके छोटे कार्यकाल के दौरान आईपीएल 2025 नीलामी से पहले टीम की विस्तृत डेटा-आधारित समीक्षा की गई थी। आंकड़ों से यह पैटर्न सामने आया कि जब कप्तान केएल राहुल धीमी स्ट्राइक रेट के साथ पारी को संभालते थे, तब टीम की जीत की संभावना काफी कम हो जाती थी। इसके बाद टीम ने अपने कप्तान से आगे बढ़ने का फैसला किया। यह उदाहरण जहीर के फैसले लेने के तरीके को दिखाता है, जहां टीम की जरूरत के हिसाब से बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। सीएसके की एक बड़ी समस्या भूमिका की स्पष्टता रही है। टीम के पास प्रतिभा होने के बावजूद खिलाड़ियों की भूमिका हमेशा स्पष्ट नहीं रही। एलएसजी में जहीर ने इसका एक उदाहरण पेश किया था। 27 करोड़ रुपये में ऋषभ पंत को खरीदने के बाद उनके ओपनिंग करने को लेकर चर्चा थी। जहीर ने इसके बजाय मिचेल मार्श और एडेन मार्करम को ओपन कराने, निकोलस पूरन को नंबर-तीन पर रखने और पंत को मध्यक्रम में उतारने की योजना बनाई। पंत भले ही उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन मार्श ने 627 रन, पूरन ने 524 रन और 196 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जबकि मार्करम ने 445 रन बनाए।

युवा खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका:

विंडीज के खिलाफ क्या ओपनिंग जोड़ी में होगा बदलाव? रोहित-कोहली पर नजरें

भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत हो रही है। इस सीरीज में सभी की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर होंगी। लेकिन अगले साल होने वाले विश्व कप को देखते हुए टीम प्रबंधन युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके दे सकता है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में फिर से आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि भारतीय टीम 2027 में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को भी मौका देना चाहेगा। विश्व कप से पहले भारत को 14 से 20 वनडे मैच खेलने हैं। भारतीय टीम के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे उसे अफ्रीकी महाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए अपनी मजबूत 15 सदस्यीय टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत को यह तय करना होगा यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी को 50 ओवर के प्रारूप में बनाए रखा जाए या नहीं। कोहली के चोटिल हो जाने के कारण जायसवाल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच खेले। इस वजह से कप्तान शुभमन गिल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कोहली की वापसी के बाद गिल ने के फिर से पारी का आगाज किया। इस सीरीज के लिए जायसवाल को टीम में शामिल तक नहीं किया गया। अब बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने श्रेयस अय्यर और ईशान किशन के एशियाई खेलों के लिए जापान में होने से टीम में वापसी की है, लेकिन टीम प्रबंधन इस पर गंभीरता से विचार करेगा कि क्या जायसवाल को पहले मैच से ही रोहित के साथ फिर से पारी का आगाज करने का मौका दिया जाए या रोहित-गिल की जोड़ी को ही बरकरार रखा जाए। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तूफानी शतक लगाकर अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर कुछ समय के लिए विराम लगा दिया। रोहित इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ होंगे कि वह अपनी लय बनाए रखें और कुछ और बड़ी पारियां खेलें, क्योंकि उन्हें पता होगा कि असफल होने पर उन पर आलोचक हावी हो जाएंगे। इसके विपरीत कोहली की स्थिति अधिक मजबूत है। वह सचिन तेंदुलकर के बाद वनडे में 15000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बनने के लिए 51 रन पीछे हैं। कोहली और रोहित दोनों ने शुक्रवार शाम को नेट पर जिस तरह से करीब 20 मिनट तक बल्लेबाजी की, उससे उनकी ललक का पता चलता है। युवा खिलाड़ियों में गुरनूर बरार और आकिब नबी जैसे तेज गेंदबाज भी शामिल हैं जिन्होंने हाल ही में विभिन्न मैचों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। लेकिन इन दोनों के पास पर्याप्त अनुभव नहीं है। हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं और ऐसे में नीतीश कुमार रेड्डी की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

विश्वकप लिए क्या है भारत का प्लान? नीतीश को मिलेंगे मौके कृष्णा-गुरनूर पर भी रहेगी नजर मोर्केल ने खोला राज

मोर्ने मोर्केल ने नीतीश कुमार रेड्डी को संभालकर तैयार करने और स्पष्ट भूमिका के साथ लगातार मौके देने पर जोर दिया, ताकि वह भविष्य में टीम के प्रमुख ऑलराउंडर बन सकें। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे गेंदबाजों को आजमाने के साथ भारत अगले साल के वनडे विश्व कप के लिए अपनी गेंदबाजी यूनिट तैयार करेगा। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को संभालकर तैयार करने की जरूरत पर जोर दिया है। उनका मानना है कि नीतीश में बल्ले, गेंद और फील्डिंग तीनों विभागों में प्रभाव छोड़ने की क्षमता है और लगातार मौके देकर उन्हें भविष्य के प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में विकसित किया जा सकता है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे गेंदबाजों को भी पर्याप्त मैच समय देने की योजना है। भारतीय टीम में हाल के समय में खिलाड़ियों की फिटनेस भी चर्चा का विषय रही है। हार्दिक पांड्या और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ी चोट के कारण टीम से बाहर हैं। मोर्केल ने कहा कि टीम प्रबंधन बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अलग-अलग वापसी योजना पर काम कर रहा है।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर

नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया 16 गेंद पहले जीता मैच

एशियन गेम्स 2026 में नेपाल ने ग्रुप ए के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने अहम पारियां खेलीं। नेपाल की यह अफगानिस्तान पर पांच टी20 मुकाबलों में दूसरी जीत है। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए।

फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले। 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरुआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई।

सात पारियों में 383 रन दो शतक: छा गए झारखंड के कुमार कुशाग्रा! रेड बॉल क्रिकेट में खुद को कैसे निखारा? जानें

21 वर्षीय कुमार कुशाग्र ने घरेलू क्रिकेट में अलग-अलग प्रारूपों और परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढालकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। रणजी में दोहरा शतक, विजय हजारे में तेज पारी, सैयद मुश्ताक अली में नंबर-3 पर सफलता और दलीप ट्रॉफी व इंडिया-ए के लिए लगातार दो शतक उनके सफर की बड़ी उपलब्धियां हैं। कुमार कुशाग्र की उम्र अभी सिर्फ 21 साल है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उन्होंने खुद को अलग-अलग परिस्थितियों और प्रारूपों में साबित करने की क्षमता दिखाई है। हाल ही में उन्होंने दलीप ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाया और इसके बाद इंडिया-ए के लिए ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भी सैकड़ा जड़ दिया। दो मैचों में दो शतक ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया है। कुशाग्र की कहानी सिर्फ इन दो शतकों तक सीमित नहीं है। कम उम्र में रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने से लेकर विजय हजारे ट्रॉफी में तेज पारी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने तक, उन्होंने घरेलू क्रिकेट का इस्तेमाल अपनी बल्लेबाजी को लगातार बेहतर बनाने के लिए किया है। आखिर उन्होंने खुद को कैसे साबित किया है? जानें पांच बड़ी वजहें। कुशाग्र ने बहुत कम उम्र में अपनी क्षमता का संकेत दे दिया था। वह सिर्फ 17 साल के थे, जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया।

इसके साथ वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए। कम उम्र में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में बड़ी पारी खेलने से उन्हें लंबी पारियां खेलने और परिस्थितियों के मुताबिक बल्लेबाजी करने का अनुभव मिला। 19 साल की उम्र में कुशाग्र ने विजय हजारे ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ 356 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने यह पारी सिर्फ 36 गेंदों में खेली। इस पारी ने आईपीएल स्काउट्स का ध्यान खींचा और यह दिखाया कि कुशाग्र जरूरत के मुताबिक तेजी से रन बनाने की क्षमता भी रखते हैं। कुशाग्र की सबसे बड़ी खासियतों में से एक अलग-अलग प्रारूपों की जरूरत के मुताबिक अपने बल्लेबाजी टेम्पो को बदलना रही है। पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वह झारखंड के लिए नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए और ईशान किशन के साथ पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाया। झारखंड ने इस टूर्नामेंट का खिताब भी जीता। दलीप ट्रॉफी फाइनल में भी उन्होंने अलग परिस्थिति में बल्लेबाजी की। चेपॉक की सपाट पिच पर ईशान किशन और शिखर मोहन की मजबूत शुरुआत के बाद उन्हें तेजी से रन बनाने का मौका मिला और उन्होंने शतक जड़ दिया। इसके विपरीत, ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के लिए उन्हें कठिन परिस्थितियों में अपनी पारी को संभालना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पुडुचेरी में कुशाग्र के लिए परिस्थितियां आसान नहीं थीं। पहले दिन वह 82 रन पर ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें मैदान पर कई बार उपचार लेना पड़ा और वह इतना ज्यादा क्रैंप कर रहे थे कि बल्ला तक नहीं पकड़ पा रहे थे। दूसरे दिन वह दोबारा बल्लेबाजी के लिए लौटे और अपना शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया-ए के गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट और फर्गस ओ'नील पुरानी गेंद को रिवर्स कर रहे थे। पिच पर उछाल भी एक जैसा नहीं था। इसके बावजूद कुशाग्र ने अनावश्यक जोखिम लेने से बचते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने अर्धशतक पूरा करने के बाद अपनी गति बढ़ाई और पार्ट-टाइम लेग स्पिनर जेसन सांघा के खिलाफ लगातार बाउंड्री लगाईं। कुल मिलाकर उन्होंने सांघा के खिलाफ 23 गेंदों में 17 रन बनाए। यानी एक ही बल्लेबाज ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी गति बदली और यही उनकी बल्लेबाजी में आए बदलाव को दिखाता है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।

आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।

– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300